

बंगाल ग्राम की बीमारी

प्रमुख रोग

| एस नहीं। | रोग का नाम | वैज्ञानिक नाम |
|----------|-------------------|--|
| 1. | अस्कोचिता तुषार | अस्कोचिता रेबीज |
| 2. | बाकी | उरोमाइसिस कैसरिस-एरिटिनी |
| 3. | चाहना | फ्यूसरियम ऑक्सीस्पोरम एफ.एसपी. सीआईरिस |
| 4. | स्टंट रोग - वायरस | वायरस |
| 5. | कॉलर सड़ांध | स्क्लेरोटियम रॉल्फसी |

1. अस्कोचिता ब्लाइट - अस्कोचिता रबीई



लक्षण

- पत्ती पर, घाव गोल या लम्बी होते हैं, अनियमित रूप से उदास भूरे रंग के धब्बे होते हैं और भूरे रंग के लाल मार्जिन से घिरे होते हैं।
- तने और फली पर धब्बे मिनट ब्लॉक डॉट्स के रूप में गाढ़ा हलकों में व्यवस्थित pycnidia है।
- जब घाव तने को करधनी करते हैं, तो हमले के बिंदु से ऊपर का हिस्सा तेजी से मर जाता है।
- यदि मुख्य तने कॉलर क्षेत्र में गर्डल है, तो पूरा पौधा मर जाता है।

अनुकूल परिस्थितियां

- फूलों के दौरान तेज बारिश।
- 20-25 डिग्री सेल्सियस का तापमान।
- सापेक्ष आर्द्रता 60%।

मैनेजमेंट

- 2 ग्राम पर थिराम 2ग्राम या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम या थिराम + कार्बेण्डाजिम (1:1 अनुपात) के साथ बीजों का इलाज करें।
- 500 ग्राम/हेक्टेयर या क्लोरोथेलोनिल 1kg/ha पर कार्बेण्डाजिम के साथ स्प्रे करें।

- प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें, अर्थात् बीजी 261, बीजी 280 और एच 75-35 (गौरव) (नैनटाल बैंक तो 2019-18)।

2. जंग - उरोमाइसिस लिसिस-एरिटिनी



लक्षण

- संक्रमण दोनों सतह पर छोटे अंडाकार, भूरे, पाउडर घावों के रूप में दिखाई देता है, विशेष रूप से निचली सतह या पत्ती पर अधिक।
- घाव, जो उरेडोसोरी हैं, पूरे पत्ते की सतह को कवर करते हैं।
- जंग पुस्टल डंठल, उपजी और फली पर दिखाई दे सकते हैं।

मैनेजमेंट

- खरपतवार मेजबान को नष्ट करें।
- स्प्रे Carbendazim 500 ग्राम/हा सोना प्रोपियोनाजोल 1एल/हा।

3. विल्ट - फ्यूसरियम ऑक्सीस्पोरम एफ. एसपी. लिसरिस



लक्षण

- यह रोग फसल वृद्धि, अंकुर चरण और फूलों के चरण चरण के दो चरणों में होता है।
- रोपण पर मुख्य लक्षण पत्तियों का पीला और सूखना, डंठल और राखियों का ड्रॉपिंग, पौधों का मुरझाना।
- वयस्क पौधों के मामले में पत्तियों का ड्रॉपिंग शुरू में पौधे के ऊपरी हिस्से में मनाया जाता है, और जल्द ही पूरे पौधे में मनाया जाता है।
- संवहनी ब्राउनिंग को स्टेम और रूट भाग पर स्पष्ट रूप से देखा जाता है।

अनुकूल परिस्थितियां

- उच्च मिट्टी का तापमान (25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर)।
- मिट्टी की नमी अधिक।

मैनेजमेंट

- जैविक खाद या हरी खाद की भारी खुराक लगाएं।
- आईसीसीसी 42, एच 82-2, अवधी, आलोक सम्राट, पूसा-212, जेजी- 3 22, जीपीएफ-2, हरियाणा चाना-1 और काबुली छोला जैसे पूसा-10 73 और पूसा-2024 जैसी प्रतिरोधी संस्कृतियों को बढ़ाएं।

4. स्टंट रोग - वायरस के लक्षण

- पत्रक पीले, नारंगी या भूरे रंग के मलिनकिरण के साथ छोटे होते हैं। स्टेम भी भूरे रंग की मलिनकिरण से पता चलता है।
- कॉलर क्षेत्र में फ्लोएम ब्राउनिंग स्टंट का सबसे विशिष्ट लक्षण है, जिससे दारू सामान्य हो जाता है।

मैनेजमेंट

- संक्रमित पौधों को बाहर निकाला।
- 500 मिलीलीटर/हेक्टेयर पर मोनोक्रोटोफॉस स्प्रे करें।

5. कॉलर सड़ांध - स्क्लेरोटियम रॉल्फसी



लक्षण

- सुखाने वाले पौधे जिनके पत्ते मृत्यु से पहले थोड़ा पीले हो जाते हैं, खेत में बिखरे हुए रोग का संकेत है।
- स्टेम और रूट का जोड़ नरम थोड़ा अनुबंध हो जाता है और क्षय शुरू होता है।
- संक्रमित हिस्से भूरे रंग के सफेद हो जाते हैं। काले बिंदुओं, आकार में सरसों की तरह sclerotia के रूप में जाना जाता है सफेद संक्रमित संयंत्र भागों पर दिखाई दे रहे हैं।



अनुकूल परिस्थितियां

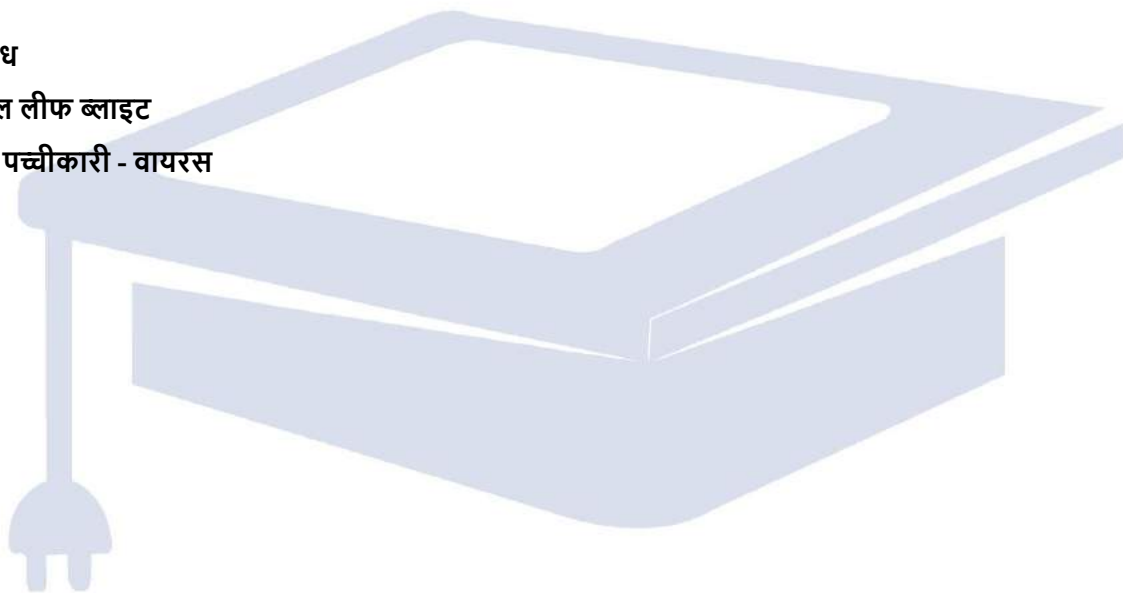
- उच्च मिट्टी की नमी, कम मिट्टी पीएच और उच्च तापमान।
- मिट्टी की सतह पर असंदिग्ध कार्बनिक पदार्थ की उपस्थिति और बुवाई के समय और अंकुर चरण में उच्च नमी

मैनेजमेंट

- भूमि तैयार करने से पहले सभी अनसिकित मामले को खेत से हटा दिया जाना चाहिए।
- बीजों को कार्बेन्डाज़िम + थिराम (1:1) के मिश्रण से 2ग्राम प्रति किलो बीज की दर से इलाज करें।

छोटी-मोटी बीमारियां

1. पैर सड़ांध
2. स्टेम सड़ांध
3. बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट
4. बीन आम पच्चीकारी - वायरस



LEARNIZY